

Roll No. :

Total No. of Questions : 11]

[Total No. of Printed Pages : 4

LLMSEM-148

LL.M. (Ist Semester) Examination Dec., 2022

INTERPRETATION OF STATUTES

Paper - FL-LAW-CC-103

Time : 3 Hours]

[Maximum Marks : 75

Note :- The question paper contains *three* sections.

नोट :- प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं।

Section-A

(Marks : 2 × 10 = 20)

Note :- Answer all *ten* questions (Answer limit 50 words). Each question carries 2 marks.

(खण्ड-अ)

(अंक : 2 × 10 = 20)

नोट :- सभी दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा 50 शब्द)। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

Section-B

(Marks : 5 × 5 = 25)

Note :- Answer all *five* questions. (Answer limit 200 words). Each question has internal choice. Each question carries 5 marks.

(खण्ड-ब)

(अंक : 5 × 5 = 25)

नोट :- सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर-सीमा 200 शब्द)। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प का चयन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

Section-C

(Marks : 10 × 3 = 30)

Note :- Answer any *three* questions out of five (Answer limit 500 words). Each question carries 10 marks.

(खण्ड-स)

(अंक : 10 × 3 = 30)

नोट :- पाँच में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा 500 शब्द)। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

BRI-48

(1)

LLMSEM-148 P.T.O.

Section–A

(खण्ड–अ)

1. (i) Noscitur-a-Sociis.
अर्थान्वयन साहचर्येण ज्ञायते।
- (ii) Construction ut res magis valeat quam pereat.
अर्थान्वयन अमान्य से मान्य करना अच्छा है।
- (iii) Pari Materia.
पैरी मैटेरिया।
- (iv) Strict Construction.
कठोर अर्थान्वयन।
- (v) Proviso.
परंतुक।
- (vi) Presumption.
उपधारणा।
- (vii) Colourable legislation.
छद्म विधायन।
- (viii) Doctrine of Eclipse.
आच्छादन का सिद्धान्त।
- (ix) Classification of offences.
अपराधों का वर्गीकरण।
- (x) Obligation.
दायित्व।

Section-B

(खण्ड-ब)

2. How can a statute harmoniously construe ? Explain in detail.

एक कानून का सामंजस्यपूर्ण अर्थान्वयन किस प्रकार किया जा सकता है ? विस्तार से समझाइए।

Or

(अथवा)

Explain the Golden rule of Interpretation.

निर्वचन के स्वर्णिम नियम को समझाइए।

3. What do you mean by Beneficial Construction ? Discuss citing relevant case laws.

हितप्रद अर्थान्वयन से आप क्या समझते हैं ? सुसंगत न्यायिक निर्णयों को दर्शाते हुए व्याख्या कीजिए।

Or

(अथवा)

Write a short note on Conjunctive and Disjunctive Enactment.

संयोजक और वियोगी अधिनियम पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

4. What is retrospective and prospective effect in interpreting of statutes ? Discuss instance when retrospective operation of statute is permissible.

संविधियों के निर्वचन में भूतलक्षी एवं भविष्यलक्षी प्रभाव क्या होता है ? किन परिस्थितियों में निर्वचन का भूतलक्षी प्रभाव स्वीकार्य है ? समझाइए।

Or

(अथवा)

What do you mean by the term "aids to interpretation" ? Discuss this.

निर्वचन के सहयोगी से आप क्या समझते हैं ? चर्चा कीजिए।

5. Explain the principle of Severability with relevant case-laws.

पृथक्करणीयता के सिद्धांत की व्याख्या सुसंगत वादों के साथ कीजिए।

Or

(अथवा)

What do you mean by theory of territorial nexus ? Discuss.

क्षेत्रिक सम्बन्ध के सिद्धांत से आप क्या समझते हैं ? विवेचना कीजिए।

6. Explain in detail the different types of punishment.

दण्डों के विभिन्न प्रकारों की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

Or

(अथवा)

Discuss Bentham's 'theory of utilitarianism.'

बैन्थम के 'उपयोगितावाद के सिद्धान्त' की विवेचना कीजिए।

Section-C

(खण्ड-स)

7. Explain the mischief rule of Interpretation in the light of Heydon's rule.

हैडेन के नियम पर प्रकाश डालते हुए निर्वचन के रिष्टि के नियम की व्याख्या कीजिए।

8. Fully explain with the help of decided cases the doctrine of 'Pith and Substance'.

सुसंगत न्यायिक निर्णयों की सहायता से 'सार एवं तत्व' के सिद्धांत की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

9. How interpretation of Taxing or Penal statutes is made ? Explain.

कर एवं दण्ड विधि का निर्वचन किस प्रकार किया जाता है ? समझाइए।

10. What are the internal aids of interpretation ? Explain them.

निर्वचन के आंतरिक सहायक कौनसे हैं ? उन्हें समझाइए।

11. Define the Concept of Rights and Obligations. Discuss the various kinds and sources of obligation.

अधिकारों एवं आभारों की अवधारणा को परिभाषित कीजिए। आभार के विभिन्न प्रकारों एवं स्रोतों का वर्णन कीजिए।